जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

27 जनवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में गणतंत्र दिवस 2025 समारोह

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के विभिन्न विभागों और केंद्रों में 76वां गणतंत्र दिवस 2025 उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम डॉ. एम.ए.अंसारी ऑडिटोरियम के प्रांगण में आयोजित किया गया, जहां कुलपति प्रो. मजहर आसिफ ने मुख्य अतिथि श्री फैज अहमद किदवई (आईएएस), महानिदेशक, नागरिक उड्डयन और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलसचिव प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तदुपरान्त एनसीसी और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सुरक्षा कर्मियों की परेड निकली और अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए ।

विगत सप्ताह जामिया के विभिन्न विभागों और केंद्रों ने भी गणतंत्र दिवस मनाया। जामिया के दंत चिकित्सा संकाय ने 24 जनवरी 2025 को "भारत की प्रतिध्वनि: एक सांस्कृतिक कैलिडिओस्कोप " शीर्षक के अंतर्गत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करके गणतंत्र दिवस मनाया। दंत चिकित्सा संकाय की डीन प्रो. केया सरकार ने अपने संबोधन में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह की थीम, "स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास" (विरासत से विकास)के बारे में चर्चा की और युवाओं के दिलों में देशभक्ति एवं गर्व की भावना जागृत करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर बल दिया। डेंटलकार्ट के विशेष अतिथि डॉ. भविष्य अरोड़ा और डॉ. शिवाली तिवारी ने अपने अभिनव मंच और उद्यमशीलता की यात्रा के बारे में जानकारी साझा की और छात्रों को लचीलापन और दृढ़ता की कहानियों से प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बीडीएस छात्रों और प्रशिक्षुओं द्वारा भारत की प्रतिध्वनि थीम पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम था। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बीडीएस छात्रों और प्रशिक्षुओं की जीवंत प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया जिसमें छात्रों द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य प्रदर्शन और देशभक्ति के गीत गाए गए जिससे राष्ट्र के प्रति गर्व और श्रद्धा पैदा हुई।

सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र (एसएनसीडब्ल्यूएस) ने जामिया के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से "एक गणराज्य के रूप में भारत के 75 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव" शीर्षक से एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद मुस्लिम खान ने पैनल चर्चा की अध्यक्षता की। जामिया के इतिहास विभाग की पूर्व प्रोफेसर प्रो. सुनीता जैदी ने महिला स्वतंत्रता सेनानियों की प्रेरक कहानियों को साझा करके और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर प्रकाश डालकर चर्चा की शुरुआत की। दूसरे वक्ता प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह ने भारतीय संविधान और कानूनों के महत्त्व पर ध्यान केंद्रित किया और विस्तार से यह बताया कि किस प्रकार महिलाओं को इन कानूनी ढांचे से लाभ हुआ है।

22 जनवरी, 2025 को जामिया के सामाजिक कार्य विभाग ने जामिया के ही सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र के डॉ. मुजीबुर रहमान द्वारा "संविधान, लोकतंत्र और भारत के धार्मिक अल्पसंख्यक" शीर्षक से एक इंटरैक्टिव व्याख्यान की मेजबानी की। प्रसिद्ध राजनीतिक वैज्ञानिक डॉ रहमान ने अपनी हालिया पुस्तक शिकवा-ए-हिंद से समकालीन भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों के बारे में अपने विचार साझा किए। डॉ.

रहमान ने भारतीय संविधान की विकसित होती व्याख्याओं पर चर्चा करते हुए शुरुआत की जिसमें अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया। सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों के आश्वासन के रूप में लोकतंत्र पर प्रकाश डालते हुए डॉ. रहमान ने निर्णय लेने में अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित रूप से कम प्रतिनिधित्व की आलोचना की जिससे सामाजिक-राजनीतिक नुकसान कायम रहा है । इतिहास का पड़ताल करते हुए डॉ. रहमान ने संविधान सभा की बहसों के हिस्से के रूप में अल्पसंख्यक अधिकारों पर बहस का पता लगाया।

दिनांक 24 जनवरी 2025 को जामिया के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय ने संकाय सभागार में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। इंजीनियरिंग संकाय की डीन प्रो. मिनी थॉमस ने छात्रों को संबोधित करते हुए इस बात पर बल दिया कि स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ आती है। छात्रों ने देशभक्ति गीत, नाटक और नृत्य प्रस्तुत किए।

“अपने देश को जानो” विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। तदुपरान्त फैकल्टी ऑडिटोरियम से अंसारी ऑडिटोरियम तक 'तिरंगा मार्च' निकाला गया। बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों और छात्रों ने राष्ट्रीय ध्वज थामे 'तिरंगा मार्च' में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जामिया के यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ने 24 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस का जश्न बड़े उत्साह, श्रद्धा और परंपरा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के पूर्व डीसीपी श्री एस अब्दुल राशिद, जो वर्तमान में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में सुरक्षा सलाहकार हैं और डॉ. नफीस अहमद, मानद निदेशक, गेम्स एवं स्पोर्ट्स , जामिया मिल्लिया इस्लामिया और दंत चिकित्सा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रोफेसर सहित कई प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही । यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के प्रिंसिपल डॉ. एम.ए. खान ने गणतंत्र दिवस के गहन महत्व और राष्ट्र के मूल्यों को आकार देने में इसकी प्रासंगिकता पर बल । उन्होंने देश की प्रगति, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन, एकता एवं प्रतिबद्धता के महत्व पर रोशनी डाली । श्री एस अब्दुल राशिद ने अपने संबोधन में अनुशासन, फिटनेस और मानसिक लचीलेपन के महत्व को रेखांकित किया। पुलिस बल में अपनी सेवा के वर्षों का हवाला देते हुए उन्होंने छात्रों को अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा व्यक्तिगत विकास एवं राष्ट्रीय विकास पर इसके सकारात्मक प्रभाव को भी रेखांकित किया। प्रो. नफीस अहमद ने "खाद्य आदतें, फिटनेस और आधुनिक रोग" पर व्याख्यान दिया। सभी उपस्थित लोगों ने आधुनिक जीवन शैली द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बीच एक स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली को बनाए रखने के बारे में उनकी विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि की सराहना की। उनके संबोधन ने समकालीन स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने में पोषण और फिटनेस की भूमिका पर अमूल्य जानकारी प्रदान की।

दिनांक 24 जनवरी, 2025 को जामिया के सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र (सीटीपी) ने गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह एवं जोश के साथ मनाया। "स्वर्णिम भारत: विरासत एवं विकास" थीम वाले इस कार्यक्रम में भारत की गौरवशाली विरासत को श्रद्धांजलि दी गई और विकासात्मक प्रगति की झलक दिखाई गई । कार्यक्रम की शुरुआत सब्जेक्ट असोशिएशन की सलाहकार प्रो. रथिन अधिकारी और सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र के निदेशक प्रो. सुशांत घोष के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने भारत की यात्रा को याद रखने, विविध क्षेत्रों में की गई प्रगति को स्वीकार करने और युवाओं को देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करने के महत्व पर बल दिया। आईआईटी दिल्ली के डॉ. सुप्रित सिंह का विशेष भाषण कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था जिसका शीर्षक था "खगोल विज्ञान ने प्राचीन काल से मानव की सोच और कौशल को किस प्रकार उन्नत किया है"। उन्होंने खगोल विज्ञान में प्राचीन भारतीय योगदान, आज उनकी प्रासंगिकता और किस प्रकार उन्होंने आधुनिक वैज्ञानिक प्रयासों का मार्ग प्रशस्त किया, इन सब के उदाहरणों से दर्शकों को

मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों को भारत के सांस्कृतिक और विकासात्मक मील के पत्थरों से रूबरू कराते हुए एक शानदार वृत्तचित्र दिखाया गया। वृत्तचित्र में भारत की विरासत, तकनीकी प्रगति एवं उपलब्धियों की विविधता को दिखाया गया जो वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को रेखांकित करते हैं।

शिक्षा संकाय की डीन प्रो सारा बेगम की अध्यक्षता में शैक्षिक अध्ययन विभाग के स्नातकोत्तर शिक्षा संघ (PGEA) ने प्रो कौशल किशोर (विभागाध्यक्ष) और प्रो अरशद इकराम अहमद के मार्गदर्शन में भारत के गणतंत्र दिवस को बहुत उत्साह सहित मनाया जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही । कार्यक्रम 24 और 25 जनवरी 2025 को आयोजित किए गए, जिसमें 24 जनवरी, 2025 को सांस्कृतिक कार्यक्रम और 25 जनवरी, 2025 को पोस्टर प्रस्तुति शामिल थी।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के उर्दू माध्यम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास अकादमी ने 24 जनवरी 2025 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के संदर्भ में शिक्षण-अधिगम के लिए आई सी टी पहल और उपकरण" विषय पर एक ऑनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम के संयोजक उर्दू माध्यम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास अकादमी के मानद निदेशक प्रो. जसीम अहमद ने औपचारिक रूप से श्रोताओं का स्वागत किया और कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। ऑनलाइन विशेष व्याख्यान की अतिथि वक्ता, डॉ. एरम खान ने आई सी टी पहल और उपकरणों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने शिक्षण-अधिगम प्रथाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व को सही ढंग से रेखांकित किया। इस विषय के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लिखित विभिन्न आईसीटी पहलों जैसे ई. पाठशाला, दीक्षा, साइबर सुरक्षा, विद्या परिवेश और प्रज्ञाता, स्वयं प्रभा, पीएम ई-विद्या आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) 2005 और एनसीएफ 2023 जैसे प्रमुख दस्तावेजों पर भी बल दिया जो शिक्षकों के लिए दिशा-निर्देश के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने अपने गहन ज्ञान और विषय पर सही पकड़ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह सभी हितधारकों और प्रतिभागियों के लिए एक समृद्ध अनुभव था।

जामिया के संस्कृत विभाग ने दिनांक 24 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम की शुरुआत देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर डॉ. धनंजय मणि त्रिपाठी ने देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर रोशनी डाली । विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश नारायण ने गणतंत्र दिवस के महत्त्व को रेखांकित किया और छात्रों से राष्ट्र कल्याण एवं अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम की भावना को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने यह कहा कि युवा राष्ट्र के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा उन्होंने छात्रों को राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता एवं सांप्रदायिक सद्भाव के मूल्यों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने देशभक्ति की थीम पर केंद्रित गीतों, भाषणों एवं कविताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त विभाग की छात्रा इरम एवं उमा ने योग-आसनों का प्रदर्शन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास विज्ञान केंद्र ने 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 24 जनवरी, 2025 को एक विशेष व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दो प्रतिष्ठित वक्ता शामिल हुए: जामिया के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर और मुख्य कुलानुशासक प्रो. नवेद जमाल और जामिया के विधि संकाय के प्रो. एम. असद मलिक। स्वागत उद्बोधन के उपरांत फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास विज्ञान केंद्र की मानद निदेशक प्रो. जुबिया वेकर ने वक्ताओं का अभिनंदन

किया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जो गणतंत्र दिवस के आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रो. नवेद जमाल ने "गणतंत्र दिवस के महत्व को समझना" विषय पर एक विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया और उन्होंने अपने व्याख्यानमें इस ऐतिहासिक दिन के ऐतिहासिकता, सांस्कृतिक और संवैधानिक महत्व पर बल दिया। उनके संबोधन ने संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के मूल्यों पर रोशनी डाली और बताया कि किस प्रकार वे राष्ट्र का मार्गदर्शन करते हैं।

चर्चा को आगे बढ़ते हुए प्रो. एम. असद मलिक ने भारत में न्याय एवं लोकतंत्र सुनिश्चित करने वाले संवैधानिक सिद्धांतों और कानूनी ढाँचों के बारे में बात की। उन्होंने नागरिकों के अधिकारों और उनके साथ आने वाली जिम्मेदारियों की रक्षा में कानून की भूमिका पर रोशनी डाली । उनके व्याख्यान ने आधुनिक समय के शासन और सामाजिक विकास में संविधान की प्रासंगिकता पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. छवि अरोड़ा ने सहजतापूर्ण तरीके से किया जिनके प्रयासों से कार्यक्रम सुचारू रूप से हो सका और आकर्षक चर्चा सुनिश्चित हो पाई ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया